सरकारी हाईस्कूल , केंचिकोप्पा,

न्यामती तहसिल, दावणगेरे जिला

10 वी कक्षा

विषय - हिंदी

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

1)भारत माँ के प्रकृति - सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर) भारत माँ का प्रकृति - सौंदर्य नयन मनोहर है।

*यहँ के खेत हरे-भरे है।

* वन उपवन फल -फूलों से सुशोभित है।

* खनिजों का व्यापक धन राशी भरा हुआ है,

*भारत माँ इसे मुक्त हस्त से बाँट रही है।

2) मातृभूमि का स्वरुप कैसे सुशोभित है?

उत्तर)   * मातृभूमि हरे-भरे दिखते हुए सुशोभित है।

*भारत माता एक हाथ में न्याय पताका ,दूसरे हाथ में ज्ञान दीप धारण करते हुए सुशोभित है।

*भारत माता के साथ कोटि-कोटि लोग है,

*इन लोगों से भारत माता का जय हिंद का नाद सकल नगर और ग्राम में गूँजना चाहिए।

3) कश्मीरी सेब पाठ से क्या सीख मिलती है?

उत्तर) अगरखरीदारी करते समय सावधान नही बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है।

4) दूकानदार ने लेखक से क्या कहा?

उत्तर) दूकानदार ने लेखक से कहा कि बाबूजी बड़े मज़ेदार सेब आए है, खास कश्मीर के आप ले जाएँ , खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

05)सेब की हालत के बारे मे लिखिए?

*पहला सेब सडा हुआ था और एक रुपये के आकार का छिलका गल गया था|

*दूसरा सेब आधा सडा हुआ था|

* तीसरा सेब दबकर बिलकुल पिछ्क गया था |

* चौथा सेब बेदाग था, मगर काला सुराख था |

*एक सेब भी खाने लायक नही था

06) 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' - इस पंक्तिका आशय समझाइए

07)दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

08)आधुनिक मानव की भौतिक साधना के बारे मे लिखिए|

उत्तर)* आज के मानव ने 'प्रकृति हर के तत्व पर विजय प्राप्त किया है|

*उसके करो मे वारि, विद्युत ,भाप बंदे है |

*उसके हुक्म पर पवन का ताप चढता उतरता है|

* स्वयं को नही समझा है | भाईचरे को नही समझा है|

*जो मानव प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाता है,

*वही मानव कहाला ने का अधिकारी होगा|

09) मनुष्य के लिए सुख की प्रप्ति कब संभव है?

10)समय का सदुपयोग कैसे करना चहिए?

11)समय की पहचान कविता का सारांश लिखिए?

उत्तर)*समय नष्ट नही करना चहिए|

*आलस को दूर करना चहिए|

*जो करना है आज ही अब ही करना चाहिए|

*कल क्या होगा कौन जाने ?

*एक बार समय खोते है तो सर्वथा पछताना पड़ता है|

12) कर्नाटक के प्राक्रुतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए?

* कर्नाटक की प्रक्रुतिक सौंदर्य नयन मनोहर है।

*पश्चिम मे विशाल अरबी समुद्र है।

* दशिण से उत्तर की चोर तक फैली लंबी पर्वत मालाओ को पश्चिमी घाट कहते है|

* इन्ही घाटो के कुछ भाग को सह्याद्रि कहते है|

* द्शिण मे नीलगिरी की पर्वत शोभायमान है।

13) कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए?

* कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है।

*बादामी,ऐहोले,पट्ट्दकल्लु की शिल्पकला सुंदर है।

*बेलूरु,हलेबीडू,सोमनाथपुरा के मन्दिर सुंदर है।

*श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर की मुर्ति सुंदर है।

* विजयपुर का गोलगुंबज सुंदर है।

14) कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्याकारो की देन क्या है?

*वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे|

*अक्कमहादेवी ,अल्लमप्रभु , संतोने दया,और धर्म का सीख दी है|

*पुरंदरदास, कनकदास , पंपा, रन्ना, पोन्ना,कुमारव्यास ,हरिहर,राघवांक आदि महान कवियों साथ- साथ कुवेंपु, द.रा. बेंद्रे,शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेशअय्यांगार,वि,कृ,गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चंद्रशेखर कंबार जैसे कवियों ने महान काव्यों की रचना कर के कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

15) शनि सौर -मंडल का सबसे सुंदर ग्रह है ।कैसे?

*शनि के चारो ओर वलय या कंकण होने के कारण

*शनि सौर -मंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

16)शनि के अत्यन्त ठंडा ग्रह कहा जाता है।क्यो?

* शनि के वायुमंड का तापमान शून्या के नीचे 150 सेंटीग्रेड होने के कारण शनि को अत्यन्त ठंडा ग्रह कहा जाता है।

17) शनि का निर्माण किस प्रकान हुआ है?

या

शनि का वायुमंडल कैसा है?

*हाईड्रोजन,हीलियम,मीथेन,तथा एमोनिया गैसों से बना है।

18) शनि का उपग्रह टाइटन के बारे मे लिखिए?

* टाइटन शनि का उपग्रह है।

* टाइटान हमारे चन्द्र से भी काफी बडा है।

*इसका व्यास 5150 किलोमीटर है।

19) बसंत ईमानदार लडका है। कैसे?

*बसंत ईमानदार लडका है।

* वह भीख माँगना नही चाहता है,बल्की ईमादारी से कमाना चाहता है।

*राजकिशोर दो पैसे देते है तो इनकार करता है
और छलनी खरीदने के लिए प्रेरित करता है।
*मोटार दुर्घटाना हो कर उसके पैर कुचल जाने पर भी उसके भाई प्रताप के साथ साढ़े चौदाह आने राजकिशोर जी को भेजता है।
*इसमें दुर्लभ गुण है, ईमानदारी।
*इन घटानों से हम कह सकते है कि बसंत ईमानदार लडका है|

20) राजकिशोर जी के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए।

*राजकिशोर मज़दूरों के नेता है।
*आवश्यकता नही होने पर भी बसंत से छलनी लेकर उसे सहायता करते है।
*बसंत को मोटार दुर्घटना होकर पैर कुचल जाने की समाचार सुनते ही , तुरंत उसके घर पहुँचते है और डाक्टर को बुलाकर इलाज कराते है।
*एम्बुलंस को फोन कर के अस्पताल को भेजते है।

21)गिल्लू के कार्य -कलाप के बारे में लिखिए।

*गिल्लू स्वयं को हिलाकर अपने घर में झूलता था।
*काँच के मनकों -सी आँखों से कमरे के भीतर और खिडकी से बाहर देखता था।
*कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता था।
*कभी परदे की चुन्नट में छिप जाता था।
*कभी सोनजुही की पत्तियों मे छिप जाता था।
*लेखिका की थाली के पास बैठकर बडी सफाई से एक -एक चावल उठाकर खाता था।
*उसकी समझदारी और कार्य -कलाप सबको विस्मित कर देता था।

22)लेखिक ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये?

23)गिल्लू के प्रति महदेवी वर्मा जी की ममता का वर्णन कीजिए।

उत्तर) *लेखिका ने गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी,
*फिर रुई से रक्त पोंचकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।
*कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकायी।
*गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ गया।
*दिन भर उसने न कुच खाया ,न बाहर गया।
*पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयास किया ।
*परन्तु प्रभात के प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

24)कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नही जाना चाहता?
25)बलराम कृष्ण के माता-पिता के बारे में क्या कहता है?
उत्तर) कृष्ण बलराम के बारे में शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढाता है,वह कहता है कि यशोदा माँ ने तुम्हे जन्म नही दिया है बल्कि मोल लिया है।
* यशोधा और नंद तो गोरे है,तुम्हारा शरीर क्यों काला है?
इसी गुस्से के कारण खेल ने नही जाता ।**26)यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?**
उत्तर) हे कृष्ण ! सुनो बलराम जन्म से ही चुगल कोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।

27)अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखित।

28)जैनुलाबदीन की व्यक्तित्व के बारे में लिखिए।

*अब्दुल कलाम के पिता जैनुलाबदीन आडंबर हीन व्यक्ति थे और सभी अनावश्यक एवं ऐशो-आरामवाली चीजों से दूर रहते थे।

*वास्तव में कलाम जी का बचपन निश्चिंतता और सादगी में बीता भौतिक एवं भावनात्मक दोनों ही दृष्टियों से।

29)आशियम्मा जी कलाम को खाने में क्या-क्या देती थी?

केले का पत्ता बिछातीं और उस पर चावल एवं सुगंधित ,स्वादिष्ट सांबार डालती, साथ ही घर का बना अचार और नारियल की ताजी़ चटनी भी होती।

30)जैनुलाबदीन नमाज़ के बाद में क्या कहते थे?

'जब तुम नमाज़ पढ़ने हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन

जाते हो; जिसमें

दौलत,आयु,जाति या धर्म पंथ

का कोई भेदभाव नहीं होता।

असफलता एक चुनौती है,
इसे स्वीकार करो,

क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।

जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,

संघर्ष का मैदान छोड़कर, मत भागो तुम।

कुछ किए बिना ही जय - जयकार नहीं होती,

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

प्रेषक,

अ ब क,

१० वी कक्षा,

सरकारी हाईस्कूल,

कैंचिकोप्पा।

सेवा में,

प्रधानाध्यापक,

सरकारी हाईस्कूल,

कैंचिकोप्पा|

आदरणीय महोदय,

विषय:- तीन दिन की छुट्टी मांगते हुए निवेदन।

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपसे निवेदन है कि मेरी बहन की शादी में भाग लेने के लिए बेंगलूर जाना है |इसलिए दिनांक 05-04-2021से 07-04-2021 तक तीन दिन की छुट्टी कृपा करके दीजिए।

धन्यवाद

आपका/आपकी आज्ञाकारी छात्र/ छात्रा

अ.ब क